ShaneNabi.In

Best Sunni Islamic Website

(बेस्ट सुन्नी इस्लामिक वेबसाईट)

मुख्तार ए कायनात सा दाता कोई नहीं

(हिन्दी नात लीरिक्स)

लिखा है (लेखक): असद इक़बाल कलकत्तवी

सोशल नेटवरकस पर हमें फ़ॉलो करें:

https://youtube.com/@shanenabi

https://www.facebook.com/shanenabi.in

https://www.instagram.com/shanenabi.in

https://twitter.com/ShaneNabi_In

अधिक लीरिक्स और इस्लामी सामग्री के लिए कृपया हमारी वेबसाईट https://shanenabi.in पर जाये

यह लीरिक्स https://shanenabi.in से डाउनलोड/प्रिंट किया गया है

सहायता/अनुरोध के लिए support@shanenabi.in पर हमसे संपर्क करें

मुख्तार ए कायनात सा दाता कोई नहीं,
यानी रसूल ए पाक के जैसा कोई नहीं

बिन मांगे मेरे आका ने झोली को भर दिया,
मँगता जो आया माँगने सुल्तान कर दिया,
खाली दरे हुजूर से लौटा कोई नहीं,
मेरे रसूल ए पाक के जैसा कोई नहीं

यानी रसूल ए पाक के जैसा कोई नहीं

फज़ले खुदा से देखिये जीशान हो गये,
आए थे कत्ल करने मुसलमान हो गए,
बोले उमर के आपसा आक़ा कोई नहीं,
मेरे रसूल ए पाक के जैसा कोई नहीं

मुख्तार ए कायनात सा दाता कोई नहीं,
यानी रसूल ए पाक के जैसा कोई नहीं

सजदे में सर कटा के शाह ए मशरीकेन ने,
एलान कर दिया था ये हज़रत हुसैन ने,
के जैसा मेरे नाना है वैसा कोई नहीं,
मेरे रसूल ए पाक के जैसा कोई नहीं

मुख्तार ए कायनात सा दाता कोई नहीं,
यानी रसूल ए पाक के जैसा कोई नहीं

रूहूल अमीन सिदरा तलक जा के थम गए,
सिदरा से आगे देखिये शाह ए उमम गए,
मेरे रसूल ए पाक के जैसा कोई नहीं

© ShaneNabi.In

पहुंचे जहां नबी वहां पहुंचा कोई नहीं,
मेरे रसूल ए पाक के जैसा कोई नहीं

मुख्तार ए कायनात सा दाता कोई नहीं,
यानी रसूल ए पाक के जैसा कोई नहीं

© ShaneNabi.In
© ShaneNabi.In
© ShaneNabi.In